हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 15 | देहरादून, मंगलवार, 02 जुलाई, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

डीएम सोनिका ने जनसुनवाई कार्यक्रम में सुनी फरियादियों की समस्याएं 3

देश को नई दिशा दिखाने का कार्य करेंगे नए कानून : सीएम धामी

नए कानून न्याय की अवधारणा को करेंगे मजबूत : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 जुलाई : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस मुख्यालय देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए भारतीय न्याय व्यवस्था में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों का राज्य में औपचारिक शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि संपूर्ण देश में आज से तीन नए आपराधिक कानून - भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023₹ लागू हो गए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने तीन नए कानूनों पर आधारित I.O एप्लीकेशन का शुभारंभ एवं विवेचक पुलिसकर्मियों को टैबलेट वितरित किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारतीय न्याय व्यवस्था में तीन नए कानून के लागू होने पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए ऐतिहासिक दिन है। अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे विभिन्न पुराने और गैर जरूरी कानूनों को हटाकर वर्तमान परिस्थिति के हिसाब से नए आपराधिक कानून लागू हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नए कानून न्याय की अवधारणा को मजबूत करेंगे और न्याय मिलने की प्रक्रिया को अधिक सरल और सुलभ बनाने में पुलिस और न्यायालयों की वृहद स्तर पर मदद करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुशासन, निष्पक्षता और न्याय हमारे देश की पुरानी परंपरा रही है। ये तीनों कानून देश के हर नागरिक की स्वतंत्रता, मानव अधिकार और सबके साथ समान व्यवहार को सुनिश्चित करेंगे। ये कानून गुलामी की मानसिकता को मिटाने और औपनिवेशिक कानूनों से मुक्ति दिलाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नए कानून आजादी के अमृत महोत्सव के बाद के कालखंड में देश को एक नई दिशा दिखाने का कार्य करेगा। अब

■ अनुशासन, निष्पक्षता और न्याय हमारे देश की पुरानी परंपरा

हमारी न्याय प्रणाली पूरी तरह से स्वदेशी होगी जो भारत द्वारा, भारत के लिए और भारतीय संसद द्वारा बनाए गए कानूनों के अनुसार संचालित होगी। नए कानून नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के साथ कानून व्यवस्था को भी और अधिक सुदृढ़ करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए कानूनों में ई-एफ.आई.आर की सुविधा शुरू की गई है। अब न्यायालय पीड़ित को सुनवाई का अवसर दिए बिना मुकदमा वापस लेने की सहमति नहीं देगा। नए कानूनों में टेक्नोलॉजी के प्रयोग और फोरेंसिक विज्ञान को बढ़ावा दिया गया है। नई न्याय प्रणाली सभी को पारदर्शी और त्वरित न्याय देने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने का कार्य करेगी। नए कानूनों में ऑनलाइन व्यवस्था पर भी बल दिया गया है। नए कानूनों में सब कुछ स्पष्ठता और सरलीकरण के साथ समाहित किया गया

है।मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार हमारे कानून आतंकवाद, संगठित अपराधों और आर्थिक अपराधों को पूरी तरह परिभाषित करेंगे। नए कानूनों में मॉब लिंचिंग को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, भगोड़ों की गैरमौजूदगी में भी मुकदमा चलाने के लिए स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। साथ ही बहुत छोटे अपराधों के लिये सजा के रूप में सामुदायिक सेवा की शुरुआत एक क्रांतिकारी कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड की जनता को न्याय दिलाने एवं उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। नए कानूनों को लागू किये जाने हेतु राज्य सरकार ने पृथक रूप से 20 करोड़ रुपए की धनराशि का प्राविधान किया है। उन्होंने कहा आगे भी इन कानूनों के क्रियान्वयन कर्ता विभागों को इसके लिए राज्य सरकार से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा निश्चित ही तीनों कानूनों को उत्तराखंड पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू करेगी।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनपदों से अधिवक्ताओं, पुलिस अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने भी तीन नए कानूनों पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार, सचिव शैलेश बगौली, सचिव गृह दिलीप जावलकर, निदेशक अभियोजन डॉ पीवीके प्रसाद, अपर पुलिस महानिदेशक डा. वी मुरुगेशन, अमित सिन्हा, अपर महानिदेशक कानून व्यवस्था एपी अंशुमन, आईजी स्तर के अधिकारियों के अलावा वर्चुअल माध्यम से विभिन्न जिलों के एसएसपी, एसपी अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

ये मुकदमा सदियों तक उत्तराखंड में क्यों याद रखा जाएगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार,2 जुलाईअंग्रेजों के ब्रिटिश कानून को अब बदल दिया गया है। उत्तराखंड राज्य के लिए हरिद्वार में दर्ज ये मुकदमा अब इतिहास बन गया है देशभर में बीती एक जुलाई से तीन नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं। वहीं नए कानून के तहत उत्तराखंड के हरिद्वार जिले पहला मुकदमा दर्ज हुआ है। नए आपराधिक कानून के तहत आज हरिद्वार में पहला मुकदमा दर्ज हुआ है। प्रदेश के सीएम पुष्कर धामी ने कहा कि एक जुलाई के इस ऐतिहासिक दिन अंग्रेजों के जमाने के क़ानूनों से देश को मुक्ति मिल गई है उन्होंने कहा कि पूरे देश में नए आपराधिक क़ानून लागू हो गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इनके क्रियान्वयन के लिए उत्तराखंड पुलिस को 20 करोड़ रुपए का

बजट भी जारी किया गया है। सीएम ने कहा कि नए क़ानून दंड के लिए नहीं न्याय को ध्यान में रखते हुए बने हैं। वहीं हरिद्वार में नए कानून के तहत मुकदमा दर्ज हुआ।

क्या है उत्तराखंड का पहला ऐतिहासिक मुकदमा : हरिद्वार में दर्ज हुए मुकदमे में इस पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि कुछ देर के लिए

वह रविदास घाट के पास बैठा था तभी वहां पर दो अज्ञात व्यक्ति आए और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देकर उसका मोबाइल फोन और कुछ नकदी छीन ले गए। साथ ही व्यक्ति को गंगा कि तरफ धक्का देकर भाग गए जिसका मुकदमा उसने हरिद्वार में दर्ज कराया है....

बदरीनाथ : उपचुनाव के लिए पोलिंग कार्मिकों को दिया प्रशिक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली। बदरीनाथ विधानसभा उप चुनाव संपन्न कराने के लिए सामान्य प्रेक्षक अनीता रामाचंद्रन और जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना की मौजूदगी में सोमवार को पीजी कॉलेज गोपेश्वर में जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित 464 पोलिंग कार्मिकों को दूसरा प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें मतदान का सामान्य प्रशिक्षण और ईवीएम व वीवीपैट का व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल है।

दो दिवसीय प्रशिक्षण में 920 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले दिन सोमवार को 116 पोलिंग पार्टियों के 464 कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। जबकि शेष 114 पोलिंग पार्टियों के कार्मिकों का दूसरा प्रशिक्षण मंगलवार को होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना ने सोमवार को पोलिंग कार्मिकों को निर्देशित करते हुए कहा प्रशिक्षण को गंभीरता से पूरा करें। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। पीठासीन अधिकारी के अलावा किसी को भी मतदेय स्थल पर मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं रहेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अभिनव शाह ने कहा कि सभी मतदान कार्मिक अपने सेक्टर ऑफिसर के संपर्क में रहें। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश सहायक नोडल आनंद सिंह, मास्टर ट्रेनर प्रवक्ता एपी डिमरी, मनोज तिवारी, जयदीप झिंक्वाण, दिगपाल रावत, केसी पंत, जयवीर रावत, विनोद रावत ने पीठासीन अधिकारी, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मतदान अधिकारियों सहित जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों को ईवीएम का प्रशिक्षण दिया।

गजब : स्वर्ग में जमीन बेच रहा चर्च का पादरी, कीमत जान चौंक गए लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जुलाई : स्वर्ग और नर्क से जुड़ी बातें तो आपने बहुत सुनी होंगी. अक्सर लोग ऐसा कहते नजर आते हैं कि आप अच्छा काम नहीं करेंगे तो आपको नर्क में जाना पड़ेगा, जहां आपको खौलते तेल में फ्राई किया जाएगा और अगर अच्छे कर्म करेंगे तो स्वर्ग मिलेगा, जहां आप आराम की जिंदगी गुजार सकते हैं, पर क्या आपने कभी किसी को ये कहते सुना है कि स्वर्ग में भी धरती की तरह ही जमीनों की खरीद-बिक्री होती है? जी हां, आजकल ऐसा ही एक मामला काफी चर्चा में है, जिसने लोगों के होश उड़ा दिए हैं।

दरअसल, मेक्सिको का एक चर्च अपने अनोखे ऑफर के लिए सुर्खियों में है और वो ऑफर है स्वर्ग में प्लॉट्स बेचना. इस चर्च का नाम 'इग्लेसिया डेल फाइनल डे लॉस टिमपोस' है, जिसे 'चर्च ऑफ द एंड ऑफ टाइम्स' के नाम से जाना जाता है. दावा किया जाता है कि इस चर्च के पादरी की साल 2017 में भगवान से एक पर्सनल मीटिंग हुई थी और इस दौरान उन्हें ये ईश्वरीय स्वीकृति

मिली थी कि वो स्वर्ग में जमीनों की खरीद-बिक्री करवा सकते हैं. चर्च के पादरी के मुताबिक, आप स्वर्ग में 100 डॉलर यानी लगभग 8 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से अपने लिए जमीन सिक्योर कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पादरी भगवान के महल के पास मौजूद प्रमुख जगहों और स्वर्ग में एक निश्चित जगह दिलाने का लोगों से वादा भी करता है.

दिलचस्प बात ये है कि चर्च अलग-अलग पेमेंट्स मोड से पैसों का भुगतान भी स्वीकार करता है, जिसमें पेपल, गूगल पे, वीजा, मास्टर कार्ड और अमेरिकन एक्सप्रेस के साथ-साथ कई अन्य फ्लेक्सिबल पेमेंट प्लान भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी वायरल हो रहा है, जिसमें मास्क लगाए एक पादरी को दिखाया गया है और साथ ही सुनहरी किरणों से घिरा एक आलीशान घर भी दिखाया गया है, जिसमें चार लोगों का एक खुशहाल परिवार रहने के लिए जाता नजर आता है.

इसमें यह भी बताया गया है कि चर्च ने साल 2017 से अब तक स्वर्ग में कथित जमीनों को बेचकर लाखों डॉलर कमाए हैं। हालांकि यह भी दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो वास्तव में एक व्यंग्य की तरह बनाया गया है. इसे मूल रूप से एक फेसबुक पेज पर पोस्ट किया गया था, जिसे हंसी-मजाक वाली चीजें शेयर करने के लिए जाना जाता है. तब से पोस्ट को अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया जा चुका है, जिसे लाखों लोग देख चुके हैं।

बच्चों को शांत करने के लिए मोबाइल थमाना नुकसानदेह : रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जुलाई : कई बार बच्चे रोते हैं तो पैरेंट्स उन्हें मोबाइल या टैबलेट देकर शांत करा देते हैं। इससे बच्चे उस वक्त तो शांत हो जाते हैं, लेकिन भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं। दरअसल, 9 साल की उम्र पूरी होने के बाद इस तरह के बच्चे जब दूसरे बच्चों के संपर्क बनाते हैं, तो डिवाइस की लत के चलते उन्हें घुलने-मिलने में दिक्कत होती है।

उनकी एकाग्रता घटती है और कार्य करने की क्षमता प्रभावित होती है। स्क्रीन का बच्चों पर असर जानने के लिए हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी सेंटर ऑफ डेवलपिंग चाइल्ड में हुए एक शोध हुआ। इसमें सामने आया कि 9 साल की उम्र तक ज्यादा समय मोबाइल या टैबलेट के साथ बिताने वाले बच्चों की एकेडमिक परफॉर्मेंस घटती है। मानसिक स्वास्थ भी बिगड़ता है। शोध में बताया गया कि ऐसे बच्चों को बचपन में मोबाइल थमाना उनसे बचपन छीनने जैसा होता है। इससे ज्यादा उन्हें बड़ों से बातचीत करने देना ज्यादा जरूरी है।

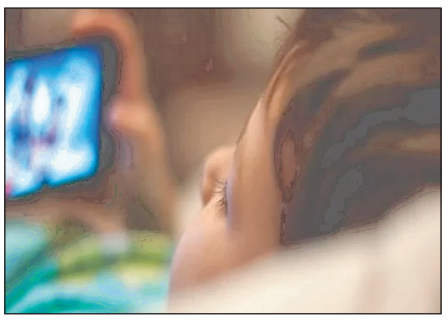

इसके अलावा उन्हें सोशल एक्टिविटी या शारीरिक गतिविधियां कराने की भी जरूरत है, ताकि शारीरिक और मानसिक विकास हो सके।ऐसे बच्चे भावनात्मक रूप से काफी कमजोर होते हैं। इसका असर लड़कों में ज्यादा होता है। एक अन्य शोध के अनुसार स्क्रीन टाइम बढ़ने से बच्चों में चिड़चिड़ापन बढ़ जाता है और वे कई बार चुनौतीपूर्ण माहौल में आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं। इससे बच्चों की फिजिकल एक्टिविटी तो कम होती ही है।

सिर चकराने पर तुरंत अपनाएं ये उपाय, नहीं आएगा चक्कर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 2 जुलाई : चक्कर आना या अचानक सिर चकराना कोई बीमारी नहीं है। बल्कि यह मुख्य रूप से शारीरिक कमजोरी की निशानी होता है। हालांकि चक्कर आना कई बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। जैसे, एनीमिया, बीपी कम होना, हार्ट का कमजोर होना, ब्रेन ट्यूमर और बहुत अधिक तनाव होना। यहां जानें, चक्कर आने पर आपको तुरंत राहत पाने के लिए क्या करना चाहिए। आमतौर पर चक्कर आने की समस्या के दौरान व्यक्ति को घबराहट, जी मिचलाना, कानों में सीटी बजने जैसी आवाज लगातार सुनाई देना जैसी दिक्कतें भी होती हैं। इस दौरान कुछ लोगों में कुछ क्षणों के लिए सुनने की क्षमता चली जाती है या कानों में भारीपन का अहसास भी हो सकता है।चक्कर आने की इस समस्या को बेनाइन पैरॉक्सिज्मल पोजिशनल वर्टिगो कहा जाता है, जिसे शॉर्ट में BPPV कहते हैं। यह समस्या वयस्कों और बड़ी उम्र के लोगों में अधिक पाई जाती है।

आमतौर पर चक्कर आने की समस्या कमजोरी दूर होने के बाद ठीक हो जाती है। लेकिन यदि आपको चक्कर किसी दवाई के साइड इफेक्ट, ब्रेन में किसी समस्या या किसी अन्य रोग के कारण आ रहे हैं तो इसका समाधान केवल चिकित्सकीय उपचार द्वारा ही संभव

है।सूखा धनिया घबराहट दूर करने, चक्कर से मुक्ति दिलाने और मितली की समस्या दूर करने का एक सदियों पुराना तरीका हैं। ये शारीरिक कमजोरी दूर कर चक्कर आने की समस्या से राहत पाने का नुस्खा है।इसके लिए आप रात को एक चम्मच सूखा धनिया और सूखा आंवला रात को पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इस पानी को छानकर इस पानी का सेवन करें। हो सके तो आंवला और धनिया गुड़ के साथ चबाकर खा लें। इससे आपका पेट साफ रहेगा और शरीर प्राकृतिक रूप से मजबूत बनेगा। आंवला और धनिया शरीर के कई विकारों को दूर करने का काम करते हैं।

आपने रात में अच्छी नींद ली या नहीं, चलने के तरीके से पता चलेगा, वैज्ञानिकों ने किया खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जुलाई : जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में दावा किया गया है कि सुबह की ताजगी और खिले चेहरे के साथ आपके चलने का ढंग बता देता है कि बीती रात आपने पर्याप्त नींद ली या नहीं. शोधकर्ताओं का कहना है कि लोगों की चाल से उनकी अच्छी नींद का पता चलेगा. चलते समय यदि कूल्हे अधिक हिल रहे हैं और व्यक्ति झुका हुआ सा प्रतीत हो रहा है या फिर एक समान कदम जमीन पर नहीं पड़ रहे तो समझ जाएं की रात को पर्याप्त नींद नहीं हुई है।

यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जोल मार्टिन के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने 123 लोगों (औसतन 24 वर्ष) पर अध्ययन किया. 59 फीसदी अच्छी नींद लेने वाले युवा थे जबकि 41 फीसद ऐसे थे, जो किसी कारणवश अच्छी नींद नहीं ले पाते थे. इनके शरीर में मोशन सेंसर लगाकर दो मिनट के वॉक पर भेजा गया. सेंसर में जमा डाटा एआई लर्निंग एल्गोरिद्म को भेजा गया, जिसे पहले ही 100 विभिन्न चालों जैसे कूल्हे और रीढ़ की स्थिति और दोनों पैरों के बीच फासले के बारे में ट्रेन्ड किया जा चुका था।

एआई तकनीक ने क्या किया ?एआई ने वॉक पर जाने वाले प्रतिभागियों के उठे पहले कदम से ही पूरे वॉकिंग पैटर्न की पड़ताल कर ली. कम नींद लेने वाले लोगों की रीढ़ के निचले हिस्से कम कम घुमाव देखा गया, जिससे वे झुके हुए से मालूम पड़ते हैं. जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए चाल में और बदलाव दिखा जैसे उनके कूल्हे अधिक हिलते थे. मार्टिन ने कहा कि कुल मिलाकर वे एकसमान गति से वॉक नहीं कर सकते हैं। इस अध्ययन से क्या होगा फायदा ?मार्टिन ने बताया इस अध्ययन का इस्तेमाल कर वैज्ञानिक ऐसी तकनीक विकसित कर सकते हैं जिससे इस बात की पहचान की जा सके कि व्यक्ति थका हुआ है

या नहीं. विशेषकर खेल या इस तरह के अन्य पेशे में नींद की कमी और थके हुए इंसान से गलती और दुर्घटना होने की पूरी संभावना होती है.

अध्ययन में क्या पाया गया ?कम सोने वाले लोगों की सामान्य चाल में काफी बदलाव था, शुरुआत में उनके कदम थके से उठे रहे थे और पूरे समय उनकी गति भी धीमी थी. अध्ययन जर्नल स्लीप साइंस में प्रकाशित हुआ.

कितनी नींद जरूरी है ?- शिशु के लिए 12 से 15 घंटे- नवजात के लिए 11 से 14 घंटे

- प्रीस्कूलर्स बच्चों के लिए 10 से 13 घंटे
- स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए दिन में कुल मिलाकर 9 से 11 घंटे
- बुजुर्गों के लिए 10 घंटे
- व्यस्क और किशोर के लिए कम से कम आठ घंटे

डीएम सोनिका ने जनसुनवाई कार्यक्रम में सुनी फरियादियों की समस्याएं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 जुलाई : जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में 94 शिकायत प्राप्त हुई। जनसुनवाई में अधिकतर शिकायत भूमि विवाद, अतिक्रमण, नाली सफाई, आपसी विवाद, मारने की धमकी, रास्ता बंद करने, नहर खुलवाने, अवैध डेयरी संचालन बंद करने आदि शिकायत प्राप्त हुई।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायती पत्रों को मार्क करने की प्रवृत्ति के बजाय स्वयं संज्ञान लेकर कार्यवाही करें सम्बन्धित अधिकारी। अधीनस्थ स्तर से प्राप्त आख्या की वस्तुस्थिति की स्वयं जांच कर कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में एक फरियादी महिला द्वारा शिकायत की गई कि पड़ोसियों द्वारा उनका रास्ता बंद कर दिया है, जबकि रास्ता उनके अभिलेखों में कोर्ट द्वारा यथास्थिति रखने के आदेश उपरान्त सम्बन्धित द्वारा दीवार लगाकर रास्ता बंद कर दिया है, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर को मौके पर यथास्थिति से अवगत होते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ग्राम रमसावाला विकासनगर के एक कृषक द्वारा शिकायत की गई कि क्षेत्र में प्लाटिंग कर सरकारी गुल तोड़े जाने से कृषि भूमि पर सिंचाई एवं कृषि करने में समस्या हो रही है, जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार विकासनगर मौके पर जाकर बंद गुल खुलवाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने नाली सफाई की शिकायतों : एक शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत की गई कि नून नदी धोलास में समशानघाट की भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा अतिक्रमण किए जाने की शिकायत पर तहसीलदार विकासनगर को वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। रानीपोखरी में सरकारी भूमि पर कब्जा कर अतिक्रमण की शिकायत पर उप जिलाधिकारी ऋषिकेश को मौका मुआवना कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मीठी बेहरी में बुजुर्ग महिला द्वारा पड़ोसियों द्वारा परेशान करने की शिकायत पर पुलिस को कार्यवाई के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन जयभारत सिंह, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय गुप्ता, उप नगर आयुक्त नगर निगम गोपाल राम बिनवाल, उप जिलाधिकारी सदर हरगिरि, उप जिलाधिकारी मुख्यालय शालिनी नेगी, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, सहायक निदेशक डेयरी प्रेमलाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट, जिला आबकारी अधिकारी राजीव चौहान सहित सिंचाई, विद्युत, जल संस्थान, पेयजल, लोनिवि आदि संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पौड़ी पुलिस ने जगह-जगह चौपाल लगाकर नए कानूनों के प्रति आम जनमानस को किया जागरूक

■ नए कानूनों के तहत धाराओं और दंडों में हुए बदलाव तथा महिलाओं और बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों में हुये सुदृढ़ कानूनी सुधारों के सम्बन्ध में दी गयी विस्तृत जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 02 जुलाई : प्रभावी होने वाले नये आपराधिक कानूनों को आमजन को अधिक से अधिक जागरूक करने हेतु पुलिस मुख्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आमजन, व्यापार संघ के सदस्यों, सीएलजी सदस्यों, आशा/आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, स्वंय सहायता समूहों सहित स्थानीय नागरिकों को नये कानून (BNS, BNSS, BSA) से सम्बन्धित धाराओं/विशेषताओं आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान कर अधिक से अधिक जागरुक करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इसी क्रम में जनपद के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत नये कानूनों की जानकारी से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर थाना क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों, व्यापार संघ के सदस्यों, सीएलजी सदस्यों, आशा/आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयं सहायता समूहों, छात्र-छात्राओं सहित स्थानीय नागरिकों को भारतीय न्याय संहिता-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 तीन नए संशोधित कानूनों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी।

आम जनमानस को नए कानूनों के तहत घर बैठे ही एफआईआर दर्ज करने की सुविधा, महिलाओं व बच्चों से संबंधित अपराधों की जांच को प्राथमिकता सहित कई धाराओं और दंडों में हुए बदलाव तथा महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों, यौन उत्पीड़न, संगठित अपराध आदि कानूनी सुधारों के महत्व की विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक किया गया।

रुद्रप्रयाग : फर्जी BEd पर कई साल सरकारी नौकरी के मजे लेते रहे 2 शिक्षक, अब जेल में काटेंगे 5 साल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 02 जुलाई : जिले के दो शिक्षकों पर फर्जी बीएड डिग्री बनाकर नौकरी प्राप्त करने का आरोप लगा है, पकड़ में आने के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने दोनों को पांच वर्ष कैद की सजा सुनाई है साथ ही जुर्माना अदा न करने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

उत्तराखंड में पहले भी कई बार फर्जी दस्तावेज बनाकर नौकरी लगने के मामले आए हैं फिर भी लोग बिना किसी भय के इस तरह के फर्जीवाड़े को अंजाम देते हैं। मामला जनपद रुद्रप्रयाग का है जहाँ पर दो शिक्षकों पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने फर्जी डिग्री बनाकर शिक्षा विभाग में नौकरी प्राप्त की है, जब शासन स्तर से इस मामले पर एसआईटी जांच कराई गई तो दोनों शिक्षक फर्जी निकले। रुद्रप्रयाग जिले में तैनात शिक्षक शिव सिंह राणा और विक्रम सिंह फर्जी बीएड डिग्री लगाने के आरोप में दोषी पाए गए हैं, इन दोनों शिक्षकों की बीएड डिग्री का सत्यापन जब चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से कराया गया तो इनकी डिग्री फर्जी पाई गई।

शिक्षा विभाग ने दोनों पर मुकदमा दर्ज कराया और अब एसआईटी की रिपोर्ट के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अशोक कुमार सैनी की अदालत ने सुनवाई करते हुए शिव सिंह राणा और विक्रम सिंह को आईपीसी की धारा 420 के अंतर्गत पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई और जुर्माना अदा न करने पर तीन महीने का अतिरिक्त कारावास। साथ ही अदालत ने आईपीसी की धारा 471 के अंतर्गत दो वर्ष के कठोर कारावास की सजा भी सुनाई है और ये दोनों सजाएं साथ चलेंगी।

प्रदेश में सरकारी नौकरी को लेकर हर एक विभाग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। इस तरह के मामले आने पर विभाग की कार्य प्रणाली और चयन प्रक्रिया पर तीखे सवाल खड़े होते हैं। आखिर इस तरह के फर्जीवाड़ा शुरुवात में ही क्यों सामने नहीं आते ? अभ्यर्थियों के चयन के समय दस्तावेजों की जांच में इतनी बड़ी भूलचूक कैसे हो सकती है। अगर इसी तरह चलता रहा तो मेहनत करने वाले छात्रों का क्या होगा? जब सभी सरकारी नौकरियां इस तरह के फर्जीवाड़े की भेंट चढ़ेंगी। सरकार को इसपर परीक्षा करने वाले आयोगों को कड़े निर्देश देने होंगे और दस्तावेज जांच प्रक्रिया में सख्ती लानी होगी।

उत्तराखंड : लद्दाख में शहीद हुआ पौड़ी गढ़वाल का लाल, टैंक प्रैक्टिस के दौरान हुआ हादसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी गढ़वाल 02 जुलाई : भूपेंद्र नेगी देश सेवा करते हुए लद्दाख में शहीद हो गए, लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में श्योक नदी टैंक अभ्यास के दौरान यह हादसा हुआ। उनका परिवार देहरादून में रहता है और उनके तीन बच्चे है, इस दुःखद खबर के बाद उनके पूरे गांव में शोक की की लहार दौड़ पड़ी है।लद्दाख में भारतीय सेना के जवानों के साथ एक दर्दनाक हादसा हुआ है। सेना के जवान लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में नदी पार करने का टैंक अभ्यास कर रहे थे।

इस दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया, हादसे में एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) व चार जवान शहीद हो गए। इन जवानों में पौड़ी के भपेंद्र नेगी भी शामिल थे।

हादसे की सूचना मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया, बताया जा रहा है कि शहीद का पार्थिव शरीर पैतृक गांव लाया जाएगा। शहीद जवान भपेंद्र नेगी पौड़ी जिले के पाबौ ब्लॉक के बिशल्ड गांव का रहने वाले थे।भूपेंद्र नेगी अपने पीछे तीन बच्चे, पत्नी और पिता को छोड़ गए हैं, उनकी तीन बहने हैं और सबका विवाह हो चुका है। पार्थिव शरीर पहुँचने के बाद उनका अंतिम संस्कार पैतृक घाट में सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें और उनके परिवार को इस अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

शातिर कातिल : अपनी लाश का इंतजाम, दोस्त की हत्या, 10 साल बाद हुआ गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सितारगंज,1 जुलाई सितारगंज। सितारगंज पुलिस ने अपने साथी की हत्या कर उसके शव का अपने नाम से पंचायतनामा करवाकर स्वयं का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने वाले गैंगस्टर मुकेश यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके साथी को भी पकड़ा है। एसएसपी मंजुनाथ टीसी ने वारदात का खुलासा करने वाली टीम को 2500 रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

एसएसपी मंजूनाथ टीसी और एसपी सिटी मनोज कत्याल ने वारदात का खुलासा करते हुए बताया कि मुकेश यादव ने 29 जुलाई 2015 को अभियुक्त मुकेश यादव अपने ही गांव के रहने वाले मनिन्दर उर्फ मनी की सितारगंज क्षेत्र में हत्या कर शव को वाहन से बूरी तरह से कुचलवा दिया था। इसके बाद हत्या को दुर्घटना का रूप देकर अपनी पहचान मिटाने के लिए षडयंत्र में परिजनों को शामिल कर लिया। शव को अपनी पहचान देने के लिये उसके कपड़ों में अपना आधार कार्ड व एक डायरी रखी। जिसमें अपने परिजनों का नम्बर दर्ज कर दिया। घटना की जानकारी के बाद परिजनों से खुद के रूप में शव की पहचान कराई। पंचायतमाना व पोस्टमार्टम कराकर उसने स्वयं का मृत्युप्रमाण पत्र बनवाया। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि मुकेश यादव पर कई कम्पनियों के कर्ज था। इसके अलावा उसके ऊपर यूपी में कई मुकदमे दर्ज थे। उस पर गैंगस्टर की कार्रवाई भी हुई थी। उत्तर प्रदेश क्षेत्र में अपने ऊपर चल रहे विभिन्न अभियोगों को बन्द करवाने के उद्देश्य से उसने षडयन्त्र रचा। बाद में उसने आधार कार्ड, ड्राईविंग लाइसेन्स, पासपोर्ट व अन्य अभिलेखों में अपना नाम मुनेश यादव दर्ज कराकर जिला शहजहाँपुर में रह रहा था।

शाहजहांपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर वर्ष 2022 में उसे गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया था कि सितारगंज क्षेत्र में किसी अज्ञात व्यक्ति के शव को अपनी पहचान देकर स्वयं का पंचायतनामा कराकर अपना मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर अपने कागजातों में अपना नाम मुनेश यादव दर्ज करा लिया।

मुकेश यादव के जिन्दा होने की सूचना पर उसके गांव के निवासी मोनू यादव ने दी थी। मोनू का भाई मनिन्दर उर्फ मनी मुकेश कुमार के साथ काम करता था। घटना के दिन से मनिंदर लापता हो गया। जांच के बाद पुलिस ने मुकेश यादव पुत्र भीकम सिंह, धर्म पाल पुत्र भीकम सिंह,भीकम सिंह पुत्र रामचन्द्र, सूधा और संगीता निवासी हसनगंज का मजरा, थाना मुढापाण्डे जिला उत्तर प्रदेश, पप्पू पुत्र किशन पाल निवासी लालपुर पट्टी खुर्द थाना पटवाई जिला रामपुर पर केस दर्ज किया। पुलिस ने मुकेश यादव पुत्र भीकम सिंह निवासी हसनगंज का मजरा थाना मुढापाण्डे जिला मादाबाद उ.प्र. हाल पता आदर्शनगर कॉलोनी गली न0 4 थाना रोजा जिला शाहजहापुर, उसके भाई धर्मपाल पुत्र भीकम सिंह निवासी निवासी हसनगंज का मजरा थाना मुढापाण्डे मुरादाबाद को लालकुआं किच्छ रोड में शमशान घाट के पास से गिरफ्तार किया गया।

उत्तराखंड में स्टंटबाजों की अब खैर नहीं, BMW और हार्ले डेविडसन से पकड़ेगी ट्रैफिक पुलिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 जुलाई : प्रदेश में हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए यातायात विभाग ने एक अहम फैसला लिया है, इसके तहत हार्ले डेविडसन या बीएमडब्ल्यू कंपनी की 8 बाइकों को 01 करोड़ 68 लाख की कीमत से खरीदा जाएगा। स्टंटबाजों को पकड़ने के लिए ये बाइकें मददगार साबित होंगी।मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने हाल ही में प्रदेश में लगातार हो रहे सड़क हादसों को लेकर समीक्षा बैठक की थी और इसमें उन्होंने लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग और यातायात निदेशालय को सड़क हादसों को रोकने के लिए सभी संभव कदम उठाने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद यातायात निदेशालय ने सड़क सुरक्षा कोष से आवश्यक उपकरणों की खरीद का प्रस्ताव दिया है।

इसके तहत आठ हार्ले डेविडसन या बीएमडब्ल्यू कंपनी की हाईटेक बाइक 01 करोड़ 68 लाख रुपये की कीमत से खरीदी जाएंगी। ये बाइक्स सड़क पर स्टंट कर

अपनी और दूसरों की जान खतरे में डालने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करेंगी। इन्हें उन क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा जहां अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं या जो ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित हैं।

इसी तरह प्रदेश में 10 स्थानों पर 74 लाख रुपये के खर्च से रडार स्पीड साइन बोर्ड और कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे चालान की कार्रवाई भी सरल होगी। इसके अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को प्रवर्तन कार्यों के लिए 14.76 लाख रुपये की लागत से बॉडी वॉर्न कैमरे प्रदान किए जाएंगे। कई खतरनाक मोड़ों पर सड़क हादसों को रोकने के लिए यातायात निदेशालय 9.55 लाख रुपये के बजट से 147 कॉन्वेक्स मिरर लगाएगा। इसके साथ ही, ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के कंधे पर लगाने के लिए 1243 शोल्डर लाइट भी खरीदी जाएंगी।

और भयंकर जाम में फंस गए मंत्री जी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 जुलाई , पहाड़ों में जाम का संकट कितना भयंकर है इसका अंदाज़ा वही लगा सकता है जो इसका भुक्तभोगी हुआ हो। मसूरी , नैनीताल और अन्य हिल स्टेशनों में आये दिन सैलानी इसी मुसीबत से दो चार होते रहते हैं। लेकिन इस बार जाम का शिकार बने हैं केंद्रीय मंत्री .... हल्द्वानी से अल्मोड़ा और रानीखेत के लिए जाने वाले नेशनल हाईवे 87 पर कैंची धाम में जबरदस्त जाम लगता है. केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा का सामना भी कैंची धाम वाले मार्ग पर लगे जाम से हुआ. अजय टम्टा ने कहा कि जाम से निजात पाने के लिए कैंची धाम में बाईपास और टनल बनाने की दिशा में भी काम किया जाएगा.

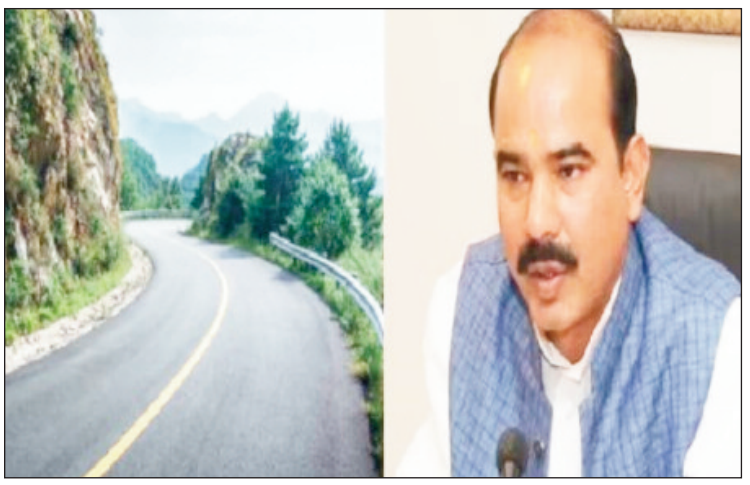

जाम में फंसे केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा

केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा रविवार शाम हल्द्वानी पहुंचे. यहां हल्द्वानी स्थित भाजपा कुमाऊं संभाग कार्यालय में पार्टी नेताओं द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया. केंद्र सरकार में मंत्री बनने के बाद पहली बार अजय टम्टा हल्द्वानी पहुंचे थे. ऐसे में पार्टी द्वारा आज उनका स्वागत कार्यक्रम रखा गया.इस दौरान उन्होंने मीडिया को बताया उनके विभाग से उत्तराखंड के परिपेक्ष में जो भी काम उनके समक्ष आएंगे, उसको पूरा करने का काम किया जाएगा. इससे पहले केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा अल्मोड़ा से हल्द्वानी लौट रहे थे तो कैंची धाम सड़क पर लगे जाम में घंटों फंसे रहे. कैंची धाम में लगातार लग रहे जाम को केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री ने भी स्वीकार किया.

रविवार को मंत्री खुद जाम में फंस गए थे.

उन्होंने कहा कि कैंची धाम में बाईपास और टनल बनाने की दिशा में भी काम किया जाएगा. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ज्योलीकोट, भवाली से लेकर खैरना और पांडुखाल तक सड़क को जोड़कर मानसखंड के प्रोजेक्ट को पूरा करेंगे. ताकि केदारखंड तक सड़क जुड़ी हो. उन्होंने बताया काशीपुर से रामनगर को फोरलेन से जोड़ा जाएगा. 2 महीने बाद देहरादून से दिल्ली का सफर 2 घंटे में पूरा किया जाएगा, इसकी भी शुरुआत हो जाएगी. उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर मंत्रालय काफी गंभीर है. सड़कें सुरक्षित हों, इसको लेकर उनका मंत्रालय हर संभव प्रयास कर रहा है.

ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग बारिश थमने तक स्थगित, 2 महीने बाद इस दिन से फिर होगी शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 02 जुलाई : एक जुलाई से रिवर राफ्टिंग दो महीने के लिए यानी जुलाई और अगस्त के लिए बंद हो गई है। अब सीधे एक सितम्बर से दोबारा रोमांच का मजा लेने वालों के लिए रिवर राफ्टिंग शुरू हो जाएगी।प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी एक जुलाई से राफ्टिंग सेवा बंद कर दी गई है भले ही ये खबर रोमांच का मज़ा लेने वालों को निराश करेगी पर उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुई ये नीतियां बनाई गई हैं। इन दो महीनों में पहाड़ों पर भारी वर्षा के कारण नदियाँ उफान मारने लगती है जिससे नदियों में दुर्घटना होने का खतरा बढ़ जाता है।

नदी के जलस्तर को देखते हुए 30 अगस्त तक कौड़ियाला, मरीन ड्राइव, शिवपुरी, ब्रह्मपुरी और क्लब हाउस से रिवर राफ्टिंग का संचालन बंद कर दिया जाता है। अब अगले सीजन के लिए दो महीने के बाद एक सितम्बर से राफ्टिंग सेवा शुरू कर दी जाएगी। इसकी आधिकारिक घोषणा गंगा नदी रिवर राफ्टिंग समिति के साहसिक खेल

अधिकारी खुशाल सिंह नेगी द्वारा किया गया। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पर्यटन के लिहाज से राफ्टिंग मुख्यतः स्थानीय रोजगार का एक अच्छा माध्यम है, ऋषिकेश में राफ्टिंग लगभग तीस साल पहले शुरू हुई थी और अब यह देशभर में प्रख्यात है। हर वर्ष यहाँ लाखों पर्यटक राफ्टिंग करने आते हैं। इस सीजन में लगभग सवा चार लाख पर्यटकों ने राफ्टिंग का लुत्फ उठाया। जिसके चलते स्थानीय कारोबारियों को जमकर मुनाफा हुआ है। वर्तमान में ढाई सौ से अधिक कंपनियों की लगभग साढ़े छह सौ राफ्ट संचालित हो रही हैं। करीब 10 हजार लोग सीधे और इससे अधिक लोग अप्रत्यक्ष रूप से इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं और अपनी जीविका चला रहे हैं।

उत्तराखंड : महंगा हुआ बनाना सपनों का आशियाना, आसमान छूने लगे रेत-बजरी के नए दाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 02 जुलाई : बरसात शुरू होते ही रेत और बजरी 40 से 45 फीसदी तक महंगी हो गई है। जिसके कारण अब मकान बनाने की लागत में एक से दो प्रतिशत का इजाफा हुआ है और आने वाले दिनों में भी रेत और बजरी की कीमतों में और बढ़ोतरी होगी।

प्रदेश में मानसून आ गया है और इसके साथ बारिश का दौर शुरू हो चुका है। जिस कारण नदियों का जल स्तर बढ़ने से खनन नहीं हो पाता है और इससे रेत-बजरी की किल्लत शुरू हो जाती है जिसका सीधा फायदा खनन माफियाओं को पहुँचता है। लेकिन इस साल बरसात देर में आई और अभी तक नदियों ने उफान मारना शुरू भी नहीं किया पर फिर भी रेत-बजरी के दाम बढ़ने लगे हैं। बताया जा रहा है कि कई स्थानों पर बड़ी मात्रा में अभी से रेत-बजरी को डंप किया जा रहा है जिससे बाजार में किल्लत बढ़ गई है और रेट बढ़ना शुरू हो गए हैं।पीवीसी पाइप के भी बढ़े दामकॉन्ट्रेक्टर बताते हैं कि वर्तमान में रेत की कीमत 90 रुपये

से बढ़कर 130 रुपये प्रति कुंतल हो गई है, जिससे प्रति कुंतल में 40 रुपये की सीधी बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह बजरी की कीमत भी 95 रुपये से बढ़कर 135 रुपये प्रति कुंतल तक पहुंच गई है। इसके अलावा पीवीसी पाइप भी 10 प्रतिशत महंगा हो गया है। भवन निर्माण में उपयोग होने वाले पीवीसी पाइप की कीमत में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। एक सप्ताह पहले पीवीसी पाइप का बंडल (25 पाइप) 1700 रुपये का था, जो अब बढ़कर 1900 रुपये हो गया है।

भवन निर्माण की सामग्रियों के बढ़े हुए दाम का सीधा असर आम आदमी की जेब पर होगा। जब कोई 100 गज की जमीन पर दो मंजिला इमारत का निर्माण करता है तो लगभग 35 लाख का खर्चा आता है। जिसे बनाने में 30 से 40 टन रेत और 50 से 60 टन बजरी की आवश्यकता पड़ती है। क्यूंकि अब रेट बढ़ चुके हैं तो 30 टन रेत 27000 हजार की तुलना में अब 39000 रुपये की पड़ेगी और 50 टन बजरी की कीमत 47500 से बढ़कर 67500 रुपये हो जाएगी। इतना ही नहीं आने वाले दिनों में रेत-बजरी के दाम 150 रुपए प्रति कुन्तल तक पहुँच सकता है।

संक्षिप्त खबरें

अलकनंदा में बहे युवक का नहीं लगा सुराग

श्रीनगर। कोतवाली श्रीनगर क्षेत्रांगत नर्सरी रोड स्थित अलकेश्वर घाट से अलकनंदा नदी में बहे युवक का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई है। बीते शनिवार को नगर निगम में कार्यरत सफाई कर्मी 35 वर्षीय मनोज उर्फ साहिल पुत्र श्याम सिंह, गजरौला उत्तर प्रदेश निवासी अलकेश्वर घाट से अलकनंदा नदी में बह गया था। जिसके बाद से पुलिस और एसडीआरएफ की टीम राफ्ट की मदद से खोजबीन कर रही है। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि युवक की खोजबीन जारी है। बताया कि टीम ने श्रीनगर से मलेथा तक अलकनंदा में राफ्ट से सर्च ऑपरेशन चला रहीं है।

हरेला पर्व की तैयारियों पर एसडीएम ने ली बैठक

श्रीनगर। नगर निगम सभागार में सोमवार को एसडीएम/नगर आयुक्त नुपूर वर्मा ने हरेला पर्व की तैयारियों को लेकर निगम और वन विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान एसडीएम ने नगर क्षेत्र में पौधरोपण किये जाने को लेकर स्थानों को चिन्हित करने को कहा। उन्होंने कहा कि गंगा दर्शन, नेशनल हाईवे, निगम क्षेत्र के पार्कों में पौधरोपण किया जाएगा। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को भी नगर में फलदार, छायादार पौधे हरेला पर्व पर रोपने के निर्देश दिए। मौके पर तहसीलदार धीरज राणा, सहायक नगर आयुक्त रविराज बंगारी, सफाई निरीक्षक शशि पंवार, वन क्षेत्राधिकारी ललित मोहन सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

देवभूमि कांवड यात्रा का आयोजन 10 से 12 अगस्त को

नई टिहरी। देवभूमि कांवड़ यात्रा के आयोजन को लेकर सोमवार को जनपद के जौनपूर ब्लाक के द्वारिकापूरी भुटगांव (लालूर) में ग्रामीणों ने बैठक आयोजित की। जिसमें कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि द्वितीय देवभूमि कांवड़ यात्रा का आयोजन भगवान शिव की आराधना के लिए किया जा रहा है। 10 अगस्त को देवभूमि कावड़ यात्रा द्वारिकापूरी से हरिद्वार के के लिए प्रस्थान करेगी। रात्रि विश्राम हरिद्वार में होगा। 11 अगस्त को प्रातः 4 बजे हरिद्वार से द्वारिकापूरी के लिए प्रस्थान करेगी तथा 11 अगस्त को विकासनगर में विश्राम करेगी तथा 12 अगस्त को भव्य जलाभिषेक द्वारिका पूरी में किया जाएगा। द्वितीय देवभूमि कांवड़ यात्रा में अनेकों साधु, भक्त मंडलियां सहित विभिन्न श्रद्धालु शामिल होंगे। देवभूमि कावड़ यात्रा का नेतृत्व स्वामी दर्शन भारती करेंगे। बैठक में ग्राम प्रधान विनीता देवी, मंदिर समिति के अध्यक्ष बच्चन सिंह, गौतम उनियाल, संजीव नौटियाल, सुल्तान सिंह, दिगंबर चौहान, संदीप चौहान, संदीप राणा, जसपाल सिंह, कुशाल सिंह, सुरवीर सिंह, जयेन्द्र सिंह, राजेंद्र चौहान, जयवीर सिंह, प्रवीन चौहान, रिपेन्द्र सिंह, अतर सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

विस्थापन नहीं होने पर जल समाधि लेने की चेतावनी

नई टिहरी। टिहरी बांध प्रभावित उत्तरकाशी जिले के आंशिक डूब क्षेत्र में शामिल भल्ड गांव के ग्रामीणों ने पूर्ण विस्थापन करने की मांग को लेकर सोमवार को डीएम को ज्ञापन सौंपा। कहा कि लंबे समय बाद भी उनके विस्थापन को लेकर शासन-प्रशासन और टीएचडीसी ने कोई निर्णय नहीं लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि टिहरी झील के जलस्तर के कारण उनके मकानों और खेतों में लगातार दरारें पड़ रही हैं। समस्या हल नहीं होने पर उन्होंने आगामी 15 जुलाई से बेमियादी धरना और झील में ही जल समाधि लेने का ऐलान किया है। उत्तरकाशी के चिन्यालीसौड़ ब्लॉक का भल्ड गांव टिहरी झील के जलस्तर आरएल 835 पर स्थित है। गांव में 75 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जाति के लोगों की है। पूर्व में पुनर्वास विभाग ने गांव के 15 परिवारों का विस्थापन कर दिया था, लेकिन 35 परिवारों को इससे वंचित रखा गया है। पूर्व बीडीसी सदस्य कमलू लाल की अगुवाई में गांव के लोगों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्या बताई। कहा कि उनके गांव का एक्सपर्ट कमेटी ने सर्वे नहीं किया। जबकि गांव में झील के कारण लगातार भू-धंसाव हो रहा है। बरसात में समस्या और विकराल हो जाती है। शासन-प्रशासन को गांव के विस्थापन की मांग को लेकर लिखित, मौखिक और धरना-प्रदर्शन से अवगत कराने के बावजूद कोई सकारात्मक कार्यवाही न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। चेतावनी दी कि यदि एक पखवाड़े के भीतर समस्या हल न हुई तो वह 15 जुलाई से धरना-प्रदर्शन और झील में ही जल समाधि लेंगे। इस मौके पर जगदीश प्रसाद, कमल लाल, हर्षमणि, पूसू लाल, सुंदर लाल, बसंत लाल, गणेश प्रसाद शामिल रहे।

ठेकेदारों ने भुगतान नहीं होने पर आंदोलन को चेताया

नई टिहरी। नगर पालिका टिहरी के पंजीकृत ठेकेदारों ने लंबे समय बाद भी विभागीय कार्यों का भुगतान न किए जाने पर रोष जताया है। कहा कि उनके लाइसेंस का नवीनीकरण और पूर्व में तात्कालिक आधार पर किए गए कार्यों का भुगतान भी पालिका प्रशासन नहीं कर रहा है। जिस कारण उनकी आजीविका पर संकट आ गया है। सोमवार को ठेकेदारों ने इन सभी मामलों को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग की है।

धामी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को बनाया मजबूत : प्रेमचंद अग्रवाल

सीमांत इलाकों में मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सेवायें, डॉक्टरों की कमी हुई दूर : डॉ आर राजेश कुमार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 जुलाई : नेशनल डॉक्टर्स डे के अवसर पर देहरादून में चिकित्सा सेवा सम्मान-2024 समारोह का आयोजन किया गया। देहरादून के सहारनपुर चौक स्थित होटल एलएसी में उत्तराखंड श्रमजीवी पत्रकार यूनियन व विचार एक नई सोच सामाजिक संगठन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं पर विचार गोष्ठी व चिकित्सा सेवा सम्मान-2024 का आयोजन किया गया। इस मौके पर चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान दे रहे राज्य के विभिन्न जनपदों के 22 चिकित्सकों के साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही 13 संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। संस्था ने चिकित्सकों को व स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं को सम्मानित कर समाज में एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव राकेश बिजल्वाण ने किया।

डॉक्टर्स डे के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले अतिथियों ने दीप जलाकर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार, विशिष्ट अतिथि के रूप में महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, निदेशक चिकित्सा शिक्षा व प्राचार्य दून मेडिकल कॉलेज आशुतोष सयाना, सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के निदेशक ललित जोशी, केयर कॉलेज हरिद्वार के निदेशक आरके शर्मा, आरोग्यम कॉलेज रूड़की के निदेशक संदीप केडिया ने शिरकत की। विचार एक नई सोच सामाजिक संगठन के संरक्षक डॉ एसडी जोशी ने संस्था द्वारा पिछले 10 सालों में किये गये कार्यों की जानकारी दी।

दूसरों की सेवा करना ही डॉक्टरों का लक्ष्य : बंशीधर तिवारी

धामी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को बनाया मजबूत -प्रेमचंद

कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने नेशनल डॉक्टर्स-डे की शुभकामनाएं। मैं डॉक्टरों को सम्मान देते हुए खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं। ये वे डॉक्टर हैं, जो मरीजों की सेवा कर सेवा उनके और उनके परिजनों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरते हैं। बेहतर इलाज से दर्द और तकलीफ को कम करते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में सुधार करने और डॉक्टरों को सम्मान सुनिश्चित कराने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉक्टर्स-डे के मौके पर हम स्वास्थ्य समुदाय- डॉक्टर, नर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएएनएम्स, आशा कार्यकर्ता और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों के निस्वार्थ समर्पण के लिए उनकी सराहना करते हैं। कहा कि मुझे खुशी हुई कि चिकित्सा सेवा सम्मान के लिए राज्य के प्रत्येक जनपद के दूरस्थ व दुर्गम इलाकों से चिकित्सकों का चयन किया गया है। खासतौर से जो चिकित्सक लंबे समय से पर्वतीय जनपदों में अपनी सेवायें दे रहे हैं जो कि अच्छी पहल है। उन्होंने आगे कहा, लोगों की जान बचाने के लिए डॉक्टरों की अटूट प्रतिबद्धता को हम सलाम करते हैं। उन्होंने डॉक्टरों से अपील की कि मानवता के नाते गरीब मरीजों को भी पूरी तवज्जो दें।

सीमांत इलाकों में मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सेवायें -डॉ आर राजेश कुमार

स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने नेशनल डॉक्टर डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के दिशा निर्देशों में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। राज्य के सूदरवर्ती इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सेवायें मिल रही हैं। राज्य कैबिनेट ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर करने के लिए सेवा विस्तार देते हुए रिटायरमेंट की उम्र 60 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष कर दी है। जिससे हम उम्मीद कर रहे हैं कई लोग आवेदन करेंगे। उन्होंने कहा की रिटायर्ड डीजी हैं उन्होंने भी आवेदन किया है कि वो दुर्गम क्षेत्र में काम करना चाहती हैं। इसके लिए वो मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने डॉक्टरों से अपील करते हुए कहा कि मरीजों के साथ अच्छे से पेश आएं, दवा के साथ अगर मरीज के साथ हमारा मानवता भरा व्यवहार रहता है तो उसको जल्दी स्वस्थ होने में मदद मिलती है।

दूसरों की सेवा करना ही लक्ष्य -बंशीधर तिवारी

सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने नेशनल डॉक्टर्स डे की शुभकामनायें देते हुए कहा कि डॉक्टरों के अच्छे व्यवहार से मरीजों की आधी बीमारी ठीक हो जाती है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जब सांसें उखड़ने लगती हैं, तो डॉक्टर ही भगवान के रूप में नजर आते हैं। डॉक्टरों के सेवाभाव को करीब से देखा है। डॉक्टरों की जिंदगी सात दिन और 24 घंटे की है। हर वक्त वह मरीजों के लिए जीते हैं। ऐसे जिंदगी बचाने वाले डॉक्टर को सलाम करता हूं।

डॉक्टरों के समर्पण को सलाम

निदेशक चिकित्सा शिक्षा व प्राचार्य दून मेडिकल कॉलेज ने कहा कि डॉक्टर दूसरों की सेवा करने का लक्ष्य लेकर काम करते हैं। उनकी यह सेवा सैकड़ों लोगों की चेहरे पर मुस्कान लाता है। यह सम्मान उन्हें हर कदम पर प्रोत्साहित करेगा। डॉक्टरों के समर्पण को सलाम है।

मरीजों की सेवा करने के लिए ही जीते हैं कुछ डॉक्टर

ललित जोशी ने कहा स्वस्थ जीवन हर किसी की प्रियोरिटी लिस्ट में टॉप पर होता है। उन्होंने कहा सेहत सबसे बड़ी पूंजी है, हेल्दी व्यक्ति ही लाइफ को सही तरह से एन्जॉय कर सकता है। इसमें डॉक्टर्स का रोल बहुत अहम होता है। छोटी बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए, इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। हमारे समाज में बहुत से ऐसे डॉक्टर है, जो सिर्फ मरीजों की सेवा करने के लिए ही जीते हैं। तमाम डॉक्टर्स ऐसे हैं, जो छुट्टी के दिन भी मरीज के ऑपरेशन या इलाज के लिए संस्थान आते हैं। यहां तक, कि अगर मरीज के पास दवा लेने का पैसा नहीं होता है, तो वह मरीज को दवा खरीद कर भी देते हैं और पूरा इलाज का खर्चा भी खुद उठाते हैं। ऐसे डॉक्टरों को सम्मानित करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है।

10 साल से जारी है संस्था का सफर

विचार एक नई सोच सामाजिक संस्था के संरक्षक प्रदेश के प्रख्यात फिजिशियन डा. एसडी जोशी ने कहा कि उनकी संस्था राज्य के प्रत्येक जनपद के सूदरवर्ती क्षेत्रों का भ्रमण कर डॉक्टरों की कार्यशैली व सर्मपण को देखती है। उसके बाद मरीजों के फीडबैक के आधार पर सूची तैयार होती है। हमारा प्रयास रहता है कि पूर्ण सर्मपण व निष्ठा के साथ रात-दिन मरीजों की सेवा करने वाले डॉक्टरों को सम्मानित किया जाये।

इनकी रही मौजूदगी

कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष अरुण चमोली, सचिव राकेश बिजल्वाण, वरिष्ठ पत्रकार अरुण शर्मा, मनोज इस्टवाल, गुणानंद जखमोला, अमित अमोली, रमन जयसवाल, हरीश कंडवाल, मुकेश कुकरेती, दयाशंकर पांडेय, उमाशंकर कुकरेती, अरूण पांडेय, रजनीश सैनी, प्रकाश भंडारी, संतोष थपलियाल, जगमोहन मौर्य, दीपक जुगरान, एसपी सती, नमित पराशर, अखिल, मोहन पुरोहित, आदि प्रमुख लोग मौजूद थे।

इन 22 चिकित्सकों को किया गया सम्मानित

01- डॉ संदीप टंडन, वरिष्ठ फिजीशियन, देहरादून।02- डॉ वीएस टोलिया, एमबीबीएस, छाती रोग विशेषज्ञ,देहरादून।03- डॉ अनिल आर्य, चर्म रोग विशेषज्ञ, कोरोनेशन जिला अस्पताल,04- डॉ के.पी सिंह, वरिष्ठ सर्जन, जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी।05- डॉ कमलेश भारती, वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ, देहरादून।06- डॉ अमरनाथ पांडेय, वरिष्ठ फिजीशियन, मंहत इंद्रेश अस्पताल, देहरादून। 07- डॉ अमर उपाध्याय, हृदय रोग विशेषज्ञ, दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून। 08- डॉ मंजीत सिंह, लोहाघाट, चंपावत।09- डॉ अतुल उपाध्याय, एमडी, छाती रोग विशेषज्ञ, अगस्तमुनि, रूद्रप्रयाग।10- डॉ गिरिजा शंकर जोशी, ऑर्थोपैडिक सर्जन, जिला चिकित्सालय, बागेश्वर11- डॉ अमन सैनी, पैथोलॉजिस्ट, रूड़की, जनपद, हरिद्वार।12- डॉ सुभांकर अग्रवाल, जनरल सर्जन, जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग ।13- डॉ विजय पांडेय, बाल रोग विशेषज्ञ, जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ।14- डॉ शिवासीस पंत, दंत चिकित्सक, पिथौरागढ़।15- डॉ आशीष परगंईं, हड्डी रोग विशेषज्ञ, बागेश्वर।16- डॉ सचिन चौबे, आर्थोपेडिक सर्जन, राजकीय चिकित्सालय, श्रीनगर17- डॉ वैभव विशाल, एमडी, जनरल सर्जन,अगस्तमुनि, जनपद रूद्रप्रयाग।18- डॉ अजय कुमार, एमडी जनरल मेडिसन, जिला चिकित्सालय, चंपावत 19- डॉ जया नवानी, मानसिक रोग विशेषज्ञ, दून मेडिकल कॉलेज, 20- डॉ तरूण जोशी, दंत चिकित्सक, दुगडडा, पौड़ी गढ़वाल21- डॉ अंकुर ठाकुर, हड्डी रोग विशेषज्ञ, रूद्रप्रयाग।22- डॉ अंकुर पांडेय, फिजिशियन, दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून।

इन 13 संस्थाओं के प्रतिनिधियों को किया गया सम्मानित

स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय कार्य कर रही 13 संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी इस मौके पेर सम्मानित किया गया। उपनिदेशक सूचना व पी.आर.एस.आई देहादून चैप्टर के अध्यक्ष रवि बिजारिया, मैसकॉट हैल्थ कंपनी की एक्सक्यूजिटिव डॉयरेक्टर कशिश कुकरेजा, उत्तराखंड श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अरूण शर्मा, रंत रैबार संस्था के अमित अमोली, आकाश शिक्षा एवं सांस्कृतिक विकास समिति के घनश्याम चन्द्र जोशी, फ्यूजन होटल इंस्टीयूट ऑफ मैनेजमैंट संस्थान के अरूण चमोली, कलर्ड चैकर्स फिल्म एंड इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के वैभव गोयल, सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के ललित जोशी, उत्तरजन टुडे परिवार के गुणानंद जखमोला, अमोलाज रेस्टोरेंट के जय प्रकाश अमोला, लाइफ केयर पैथोलॉजी सेंटर के राजेश रावत को सम्मानित किया गया।

चढ़ें सीढ़ियां, लिफ्ट को कहें बाय-बाय, मिलेंगे गजब के फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जुलाई : होटल हो, ऑफिस हो या फिर रहने के लिए बनी हुई बड़ी-बड़ी बिल्डिंग. आजकल हर जगह सीढ़ियों को अक्सर ऐसी जगह बनाया जाता है. जहां से वो आपको सीधे नजर न आएं. वहीं लिफ्ट और एस्केलेटर ऐसी जगह बने होते हैं, जहां आप की नजर आसानी से जाती है और ज्यादातर लोग आने-जाने के लिए सीढ़ियों की बजाय लिफ्ट पर ही निर्भर हैं।

यही वजह है कि लिफ्ट के लिए इंतजार कर रहे लोगों में से अगर कोई अकेला सीढ़ियां चढ़ता हुआ दिख जाए तो लोग हैरान हो जाते हैं, लेकिन दिन भर काम करते हुए एक ही जगह पर बैठे रहने के बीच उठकर कहीं जाने के लिए अगर लिफ्ट की बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल कर लिया जाए या फिर शॉपिंग मॉल बाकी जगहों पर कुछ मंजिल सीढ़ियों से पार कर ली जाएं तो ये अपने आपको सुपर चार्ज करने का एक बेहतरीन तरीका है।

फिट रहने के लिए लोग अक्सर पास के पार्क या खुली जगहों पर रनिंग करते नजर आते हैं. फिर भी सपाट सड़क पर चलने या फिर दौड़ने के मुकाबले सीढ़ियों पर चढ़ना काफी ज्यादा मेहनत का काम लगता है. फिलहाल कभी-कभार भी अगर लिफ्ट की अनदेखी कर सीढ़ियों पर चढ़ लिया जाए तो सेहत को कई फायदे होते हैं.

दिल के लिए फायदेमंद है सीढ़ियां चढ़ना : आज के वक्त में हृदय संबंधित बीमारियां जैसे आम हो गई है. खराब लाइफस्टाइल, लंबे वक्त तक बैठकर काम करना और इस वजह से फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर होना जैसे कई फैक्टर हैं, जो हार्ट डिजीज के जोखिम को बढ़ाते हैं. ऐसे में अगर आप हफ्ते में एक बार भी किसी तरह की फिजिकल एक्टिविटी जैसे साइकलिंग या वॉकिंग को वक्त नहीं दे पाते हैं तो सीढ़ियों पर चढ़ना एक अच्छा तरीका है, दिल की सेहत को

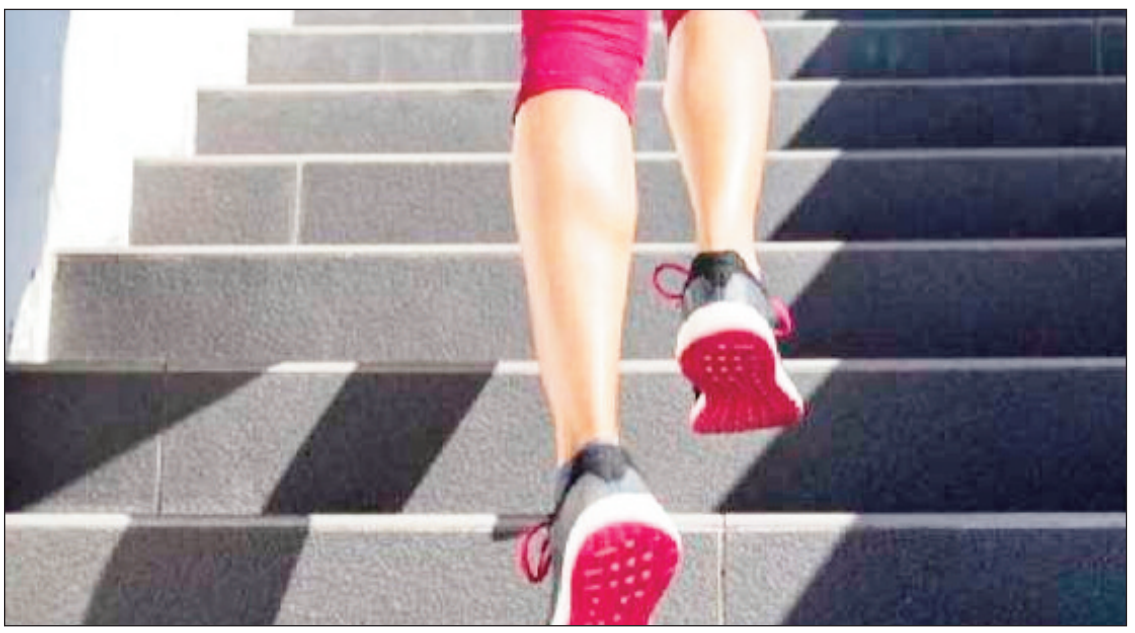

दुरुस्त बनाए रखने का. इससे दिल की बीमारियों का जोखिम काफी कम हो सकता है. जब आप सीढ़ियों पर चढ़ते हैं तो शरीर ज्यादा मेहनत करता है और कम समय में एक अच्छे वर्कआउट का रिजल्ट मिल सकता है.

खराब हवा ही नहीं, खाने से भी हो सकती है फेफड़ों की बीमारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 02 जुलाई : फेफड़ों को हेल्दी रखना बहुत जरूरी है. प्रदूषित हवा के अलावा, हम जो खाते हैं वो भी हमारे फेफड़ों को प्रभावित कर सकता है. एक नए अध्ययन में पाया गया है कि प्रोसेस्ड फूड से भरपूर डाइट खाने से क्रोनिक रेस्पिरेटरी डिजीज (सीआरडी) से होने वाली मौतों का खतरा काफी बढ़ सकता है।

यूरोपियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, प्रोसेस्ड खाने की चीजों में पोषण की मात्रा बहुत कम होती है और इनमें जरूरी एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व भी नहीं पाए जाते हैं. अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों के डाइट में 40% से ज्यादा मात्रा में प्रोसेस्ड फूड शामिल थे, उनमें क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से होने वाली मौत का खतरा 26% ज्यादा था. सीओपीडी एक फेफड़ों की बीमारी है, जिसमें हवा का फ्लो ब्लॉक हो जाता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ होती है.फेफड़ों का कैंसर का खतराअध्ययनकर्ताओं ने पाया कि प्रोसेस्ड खाने से भरपूर डाइट फेफड़ों से जुड़ी अन्य बीमारियों जैसे फेफड़ों का कैंसर, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, इम्फायसीमा और दमा का खतरा भी 10% बढ़ा देता है.

शोधकर्ताओं ने 1999 से 2018 के बीच अमेरिका में 96,000 से ज्यादा लोगों के डाइट संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया। प्रोसेस्ड फूड से डायबिटीज का भी खतरा ज्यादाअध्ययन के मुख्य लेखक टेफेरा मेकोनेन ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि जिन लोगों ने सबसे ज्यादा प्रोसेस्ड खाना खाया, उनकी उम्र आम तौर पर कम थी, उनका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) ज्यादा था और उन्हें डायबिटीज, इम्फायसीमा और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा भी ज्यादा था. साथ ही, उनके खाने की कुल क्वालिटी भी कम थी. अध्ययन में चिप्स, चॉकलेट, लॉलीपॉप, बिस्कुट, प्रोसेस्ड मीट, फ्राइड चिकन और कोल्ड ड्रिंक्स को प्रोसेस्ड खाने की चीजों के तौर पर शामिल किया गया।

संपादकीय

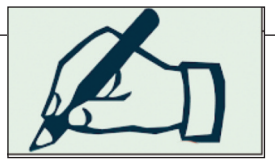

तीन नई संहिताएं

जुलाई के आरंभ से ही तीन ऐतिहासिक कानूनी परिवर्तन किए गए हैं। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ऐसे ही परिवर्तन हैं, जो औपनिवेशिक अवशेषों को भी खत्म कर देंगे। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी,1860) और इंडियन एविडेंस एक्ट, 1872 ब्रिटिश राज की कानूनी व्यवस्थाएं थीं, जिन्हें हम आज भी ढो रहे थे। ये 'उपनिवेश की गुलामी' की याद दिलाती थीं। अब उनके स्थान पर पूर्णतः भारतीय संहिताएं होंगी। आपराधिक प्रक्रिया संहिता भी 1898 की विधिक व्यवस्था थी, लेकिन अब 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' ने उसका स्थान लिया है। ये कानून राज्य के साथ नागरिक के संबंधों और समझौतों को परिभाषित करते थे। कानून का राज स्थापित करने के मद्देनजर बलपूर्वक भी व्यवस्था कार्रवाई करती थी। अर्थात कानूनों का दुरुपयोग होता था। खासकर हमारे आपराधिक न्याय को लेकर कई सवाल और ढेरों आपत्तियां की जाती रही हैं। कानून और दृष्टि अप्रासंगिक हो चुके थे। जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या असीमित हो गई है। पीड़ित पक्ष को इंसाफ के लिए जिंदगी भर जूतियां घिसनी पड़ती हैं, तब भी इंसाफ की उम्मीद अधूरी है। अदालतों में करोड़ों मामलों की भरमार है। यह बोझ बढ़ता जा रहा है। सब कुछ अनिश्चित और अपरिमित है, लिहाजा इन व्यवस्थाओं में सुधार की गुंजाइश लंबे अंतराल से महसूस की जा रही थी। इन तीनों नए कानूनों पर संसद की स्थायी समितियों में विमर्श किया गया होगा! केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जुलाई, 2020 में विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। उसने देश के नागरिकों के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की थी और उसे जारी भी किया गया। उस सूची में आपराधिक वैवाहिक बलात्कार, यौन अपराधों को लैंगिक तौर पर निरपेक्ष बनाना, इच्छा-मृत्यु और राजद्रोह सरीखे अपराधों पर नागरिकों के अभिमत लिए जाने थे। अभिमत कितनी संख्या में आए, कितने राज्यों के किन-किन वर्गों के लोगों ने अपने अभिमत दिए, भारत सरकार ने उनका कोई खुलासा नहीं किया है। दरअसल संसद में ये विधेयक तब पारित किए गए, जब 146 सांसद निलंबित थे और सदनों में एकतरफा बहुमत था, लिहाजा ध्वनि-मत से विधेयक पारित किए गए। बाद में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से वे कानून बन गए, लेकिन इस संदर्भ में अब भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। इन तीनों संहिताओं और अधिनियम पर देश का जनमत सामने आना भी शेष है, क्योंकि एक जुलाई से ही ये ऐतिहासिक परिवर्तन लागू किए गए हैं। अब 'प्राथमिकी' का नामकरण तक बदल दिया गया है। सजा के वैकल्पिक स्वरूप के तौर पर सामुदायिक सेवा का प्रावधान भी किया गया है। छोटे अपराधों के लिए 'समरी ट्रायल' को अनिवार्य किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ट्रायल अब सुनिश्चित होगा। भीड़-हत्या और हिंसा, बाल विवाह बलात्कार ऐसे अपराध हैं, जिनका समयबद्ध और गतिमय ट्रायल अनिवार्य होगा। अधिकतर सलाह-मशविरा, विमर्श कोरोना महामारी के दौरान किए गए, लिहाजा संहिताओं में कुछ बड़े परिवर्तन नहीं जोड़ पाए होंगे। कुछ राज्यों ने भी आपत्तियां की हैं और मांगें भी की हैं। मसलन-कानूनों के नाम अंग्रेजी में नहीं होने चाहिए। क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने में काफी वक्त लगता है। कर्नाटक सरकार ने आपत्ति की है कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्राथमिक जांच के लिए पुलिस अफसर को 14 दिन का वक्त क्यों दिया जाना चाहिए? धारा 377 को बिल्कुल हटा देने पर भी सवाल किए गए हैं। उप्र कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि अंतरिम जमानत के प्रावधानों में कुछ अपवाद रखे जाएं और इस पर एक अध्यादेश लाया जाए। बहरहाल कुछ राज्यों के आग्रह तार्किक हैं और महत्वपूर्ण भी हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002

RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com

Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

संक्षिप्त खबरें

गोष्ठी में चिकित्सकों की समस्याओं पर किया मंथन

नई टिहरी। स्थापना दिवस पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक एसोसिएशन ने चंबा में गोष्ठी आयोजित की। जिसमें चिकित्सकों को मिलकर काम करने की जरूरत बताई गई। कहा गया कि संगठन को साथ लेकर चिकित्सकों की समस्याओं पर समय-समय पर मंथन होना चाहिए। समस्याओं के समाधान के लिए शासन-प्रशासन को समय-समय अवगत कराते रहना चाहिए। गोष्ठी में सभी चिकित्सकों ने डा.एके लेखवाड़ को सम्मानित भी किया। डा. लेखवाड़ को चिकित्सा के क्षेत्र में काम करने के लिए राष्ट्रीय आयुर्वेदिक संस्थान डीम्ड यूनिवर्सिटी भारत सरकार जयपुर की ओर से डा. रतन पाल और ईएमए इंडिया के अध्यक्ष डा.केपीएस चौहान ने सम्मानित किया है।

जनता मिलन कार्यक्रम में 50 शिकायतें दर्ज

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में कुल 50 शिकायतें दर्ज हुई। अधिकांश शिकायतें ग्राम्य विकास, बिजली, पानी और सड़क प्रतिकर से संबंधित थी। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में इंद्रदेव डबराल ने चोपड़ियाल गांव लग्गा चुरेड़ गांव में जीआईसी और एलोपैथिक अस्पताल के लिए दान की गई भूमि पर बने संस्थानों में उनके माता-पिता के शिलापट्ट लगाने की मांग पर तहसीलदार और सीएमओ को समन्वय बनाकर समाधान के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान गैर थौलधार ने नगुण-भवान मार्ग के खाड़ी नामे तोक से लोल्दी गांव तक सड़क निर्माण की मांग की गई।

कार्यकाल बढ़ाने को पंचायत प्रतिनिधियों ने दिया धरना

नई टिहरी। त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाए जाने की मांग को लेकर ग्राम प्रधान, बीडीसी मेंबर्स और जिला पंचायत सदस्यों ने डीएम कार्यालय पर सांकेतिक धरना देकर प्रधानमंत्री और सीएम को ज्ञापन भेजा। उन्होंने एक प्रदेश एक पंचायत चुनाव कराने की मांग की है। कहा कि हरिद्वार जिले में पंचायतों का कार्यकाल अभी दो साल अवशेष बचा है। ऐसे में पूरे प्रदेश के पंचायत चुनाव एक साथ कराए जाने चाहिए। ग्राम प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा की अगुवाई में पंचायत प्रतिनिधियों ने सीएम को भेजे ज्ञापन में बताया कि कोविड-19 के कारण उनका दो साल का कार्यकाल पूरी तरह ठप रहा। इस दौरान पंचायतों की खुली बैठक तक नहीं हो पाई। ऐसे में ऐक्ट में प्रावधान है कि भयंकर दैवीय आपदा अथवा किसी विशेष परिस्थिति के कारण यदि कार्यकाल में व्यवधान आए तो उसे बढ़ाया जाए। कहा कि उत्तराखंड से संदेश जाना चाहिए कि एक देश एक चुनाव की दिशा में यहां एक प्रदेश एक पंचायत चुनाव किए जा रहे हैं। ज्ञापन देने वालों में ब्लॉक प्रमुख प्रतापनगर प्रदीप चंद रमोला, चंबा शिवानी बिष्ट, जाखणीधार सुनीता देवी, ललित सुयाल, सुधीर बहुगुणा, दिनेश भजनियाल, परमानंद मैठाणी, अनीता कोठारी, दिनेश जोशी, संगीता रावत आदि शामिल रहे।

भागीरथी में पानी छोड़ने को डीएम को भेजा ज्ञापन

नई टिहरी। जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग ने सोमवार को तहसीलदार के माध्यम से डीएम टिहरी मयूर दीक्षित को टीएचडीसी द्वारा भागीरथी का जल प्रवाह बंद किये जाने के संबंध में ज्ञापन प्रेषित किया है। जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने बताया कि ज्ञापन से अवगत कराया है कि टीएचडीसी द्वारा जून से भागीरथी का जल प्रवाह रोका गया है। जिसकी वजह से टिहरी से देवप्रयाग तक पूरी नदी सूख गई है और कुछ गदेरों का पानी इसमें आ रहा है। टिहरी से देवप्रयाग तक कई पंपिंग योजनाओं के माध्यम से गांव तक पानी पहुंचता है। नदी में जलप्रवाह रोके जाने से गांव को पानी नहीं मिल पा रहा है। जिससें गांवों में बहुत ज्यादा अव्यवस्था बनी हुई है। पालतू मवेशी भी पानी न मिलने से कठिनाई का सामना कर रहे हैं। साथ ही पानी कम होने की वजह से कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मछलियों का शिकार भी किया जा रहा है। जिससे पानी जहरीला हो रहा है और महामारी का खतरा बना हुआ है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनोद टोडरिया ने कहा कि श्मशान घाटों पर अंतिम संस्कार में पानी के बिना परेशानी हो रही है। टीएचडीसी द्वारा पर्यावरण का जरा भी ध्यान न रखा जाना बहुत निराशाजनक व चिंताजनक है। जिला कांग्रेस कमेटी ने टीएचडीसी से शीघ्र भागीरथी नदी के जल प्रवाह छोड़ने की मांग की है। ज्ञापन प्रेषित करने वालों में मंगल सिंह, नगर अध्यक्ष त्रिवेंद्र सिंह रावत, नीरज रावत, विनोद टोडरिया, जगदीश आर्य आदि शामिल रहे।

नाराज पशुपालकों ने की हड़ताल

रुद्रप्रयाग। डेयरी विकास विभाग की कार्यशैली से नाराज जनपद के पशुपालकों ने एक दिवसीय हड़ताल की। इस दौरान उन्होंने विभाग पर आरोप लगाया कि पशुपालकों की किसी भी तरह से सुध नहीं ली जा रही है, जिससे उनके सामने कई मुश्किलें पैदा हो रही है। उन्होंने विरोध स्वरूप डेयरी विकास को दूध नहीं दिया। विभिन्न मांगों को लेकर जनपद के पशुपालन व दुग्ध व्यवसायियों ने सोमवार को एक दिवसीय हड़ताल की। पशुपालक अजय कप्रवाण, राकेश बिष्ट, सुभाष भट्ट, हरीश डोभाल ने कहा कि डेयरी विभाग दुग्ध व्यवसायियों से कम दाम में दूध लेती है, जबकि सुविधाएं देने नाम पर कुछ भी नहीं है। कहा कि दो माह तक सरकार की धस्यारी योजना बंद थी। जंगलों में आग लगने से उनके सम्मुख घास का संकट पैदा हो गया था। बावजूद विभाग ने पशुपालकों की मदद करने के बजाय अपने हाथ खड़े कर दिए। जैसे तैस कर पशुपालकों ने अपने लिए घास की व्यवस्था की।

देहरादून : पिता-पुत्री ने जमीन बेचने की डील कर हड़प लिए 1.65 करोड़ रुपये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 जुलाई : यहाँ एक पिता-पुत्री ने मिलकर किसी दूसरे की जमीन दिखाई और फिर एडवांस के तौर पर 1.65 करोड़ रुपए लेकर रजिस्ट्री कराने से मुकर गए, जब पीड़ित पक्ष से दबाव बढ़ता गया तो फिर इन्होने किसी तीसरे की जमीन दिखाते हुए उसपर रजिस्ट्री कर दी।राजधानी देहरादून में फर्जीवाड़े का जाल फैलता जा रहा है हर क्षेत्र में जनता को गुमराह कर पैसे लूटने वाले बैठे हैं। मामला सेवलाकलां जीएमएस रोड का है यहाँ पर पुलिस को तहरीर देकर राकेश चंद्र ने अपने साथ हुए जमीन की धोखाधड़ी करके करोड़ों रूपये हड़पने का केस दर्ज किया है। राकेश चंद्र ने आरोप लगाते हुए बताया है कि अतीक अहमद और उसकी बेटी आयशा निवासी शिमला रोड वन विहार ने मिलकर शीशमबाड़ा क्षेत्र में अपनी 25 बीघा जमीन बताते हुए उन्हें इसका एक हिस्सा बेचा दिया। जमीन की डील 40 लाख रुपये प्रति बीघा के हिसाब से तय होने पर, पीड़ित ने साल 2022 में छह बीघा जमीन खरीदने के लिए एडवांस के तौर पर 1.65 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया।लेकिन आरोपी ने काफी समय तक इसकी रजिस्ट्री नहीं करवाई और झूठा आश्वासन देता रहा। फिर जब रजिस्ट्री करने का दबाव बढ़ता गया तो इन दोनों आरोपियों ने फ़रवरी 2022 में उक्त जमीन के पास में ही किसी अन्य महिला सुमिता चौधरी की जमीन दिखाते हुए उसपर साढ़े तीन बीघा जमीन की रजिस्ट्री कर दी और अब तक पीड़ित पक्ष को न तो कोई कब्ज़ा मिला है न ही जमीन का दाखिला ख़ारिज दर्ज हो पा रहा है। जाँच पड़ताल करने पर पता लगा कि जिस जमीन पर रजिस्ट्री हुई है उसका मालिकाना हक़ सुमिता चौधरी के पास नहीं है। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद इंस्पेक्टर पटेलनगर ने बताया है कि पिता-पुत्री के खिलाड़ फर्जीवाड़े से रकम हड़पने को लेकर मुकदमा दर्ज किया जा चुका है और पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

प्रभाव आधारित पूर्वानुमान को लेकर मॉडल विकसित करें संस्थान : डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 02 जुलाई : आगामी मानसून सत्र को लेकर उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण; यूएसडीएमए्द्ध की ओर से विभिन्न केंद्रीय अनुसंधान संस्थानों के साथ तैयारियों के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न आपदाओं को लेकर जोखिम आकलन, न्यूनीकरण, राहत और बचाव कार्यों को लेकर चर्चा की गई।बैठक की अध्यक्षता करते हुए सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाएं हर साल कई चुनौतियां लेकर आती हैं। मानसून के दौरान बाढ़ और भूस्खलन से काफी जान-माल का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन एक विभाग का कार्य नहीं है बल्कि कई विभागों के आपसी सामंजस्य और तालमेल से आपदा की चुनौतियों से निपटा जा सकता है। विभिन्न अनुसंधान संस्थानों की रिसर्च आपदा से प्रभावी तरीके से निपटने में एक दिशा प्रदान कर सकती हैं।

सचिव डॉ. सिन्हा ने भूस्खलन के साथ ही अन्य आपदाओं से निपटने के लिए विभिन्न संस्थानों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली और उनके अनुभवों तथा उनके द्वारा प्रयोग की जा रही तकनीकियों को समझा। उन्होंने जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया तथा वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों से पूर्वानुमान को लेकर एक मॉडल विकसित करने को कहा, जिससे यह पता लग सके कि कितनी बारिश होने पर भूस्खलन की संभावना हो सकती है। उन्होंने कहा कि आपदाओं के प्रभावों को कम करने के लिए प्रभाव आधारित पूर्वानुमान बेहद जरूरी हैं।

आईआईटी रुड़की के प्रोजेक्ट का सत्यापन होगा

सचिव डॉ. सिन्हा ने मिनिस्ट्री ऑफ अर्थ साइंस के नियंत्रणाधीन नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी को आईआईटी रुड़की द्वारा विकसित भूकंप पूर्व चेतावनी प्रणाली का वेलीडेशन करने को कहा। उन्होंने इस प्रोजेक्ट से जुड़े डाटा को एमईएस को भेजने के निर्देश दिए। जिससे यह पता लग सके कि यह कितना कारगर है।

बाढ़ को लेकर एक विस्तृत प्लान बनाएं

सचिव डॉ. सिन्हा ने कहा कि इनसार तकनीक आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला सकती है। उन्होंने एनजीआरआई के वैज्ञानिकों से इस पर उत्तराखंड के दृष्टिकोण से कार्य करने को कहा। उन्होंने एनआईएच रुड़की के वैज्ञानिकों को फ्लड प्लेन जोनिंग की रिपोर्ट तथा डाटा के इस्तेमाल कर उत्तराखंड के लिए फ्लड मैनेजमेंट प्लान बनाने के निर्देश दिए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के निदेशक डॉ. ओपी मिश्रा ने बताया कि रियल टाइम लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम पर अमृता विश्वविद्यालय ने कार्य किया है और उनके रिसर्च का लाभ उत्तराखंड में भूस्खलन की रोकथाम में उठाया जा सकता है।

अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रशासन) आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रियान्वयन) राजकुमार नेगी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो0 ओबैदुल्लाह अंसारी, यूएलएमएमसी के निदेशक शांतनु सरकार, मौसम केंद्र के निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, डीडी डालाकोटी, मनीष भगत, तंद्रीला सरकार, रोहित कुमार, डॉ. पूजा राणा, वेदिका पंत, हेमंत बिष्ट, जेसिका टेरोन सहित केंद्रीय जल आयोग, मौसम विज्ञान केंद्र, राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोर्ट सेंसिंग, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, सीबीआरआई रुड़की, एनजीआरआई हैदराबाद, भारतीय भूगर्भीय सर्वेक्षण संस्थान कोलकाता तथा देहरादून आदि संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

SSP पौड़ी के निर्देशन में ऑपरेशन स्माइल टीम लगातार बिछड़ों को मिला रही है उनके परिजनों से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 02 जुलाई : पुलिस मुख्यालय स्तर से गुमशुदाओं की तलाश 02 माह का "ऑपरेशन स्माइल" चलाया जा रहा है, जिसके तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों व ऑपरेशन स्माइल टीम को गुमशुदाओं की तलाश कर उनके परिजनों से मिलाने हेतु निर्देशित किया गया है।

जनपद की ऑपरेशन स्माइल टीम को सूचना प्राप्त हुयी कि एक बुजुर्ग महिला जो असहाय अवस्था में कौडिया से आगे BEL रोड़ की तरफ सड़क किनारे अकेली बैठी है। इस सूचना पर ऑपरेशन स्माइल टीम द्वारा तत्काल कौड़िया BEL रोड़ पहुंचकर बुजुर्ग महिला से पूछताछ की गई तो महिला कुछ भी बताने में असमर्थ थी, जिस पर महिला को सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस के कौडिया चेक पोस्ट पर लाया गया जहां पर पुलिस टीम द्वारा बुजुर्ग माता जी से मित्रता पूर्ण माहौल में वार्ता की गयी तो उनके द्वारा बताया गया कि वह नजीबाबाद में गन्ना मिल के पास रहती है।

जिस पर पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास कर बुजुर्ग माता जी के परिजनों से सम्पर्क किया गया तो उनकी बेटी शबाना ने बताया कि महिला का नाम मकसूदन पत्नी स्वर्गीय साबिर, निवासी गन्ना मिल, लुक धारी नजीबाबाद, जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश हैं। साथ ही बताया कि मेरी माता जी बिना बताये घर से चली गयी थी इन्हें न तो दिखाई देता है और ना ही सुनाई देता है हमारे द्वारा इनकी काफी तलाश की गयी पर उनका कुछ पता नहीं चल पाया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा परिजनों को कौड़िया चेक पोस्ट पर बुलाकर उक्त बुजुर्ग माता जी को सकुशल उनके

परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस टीम- 1. महिला उपनिरीक्षक सुमनलता, 2. कांस्टेबल सत्येंद्र लखेड़ा 3. महिला कांस्टेबल विद्या मेहता

संक्षिप्त खबरें

मदोला गांव के जल स्रोत से पाइपलाइन जोड़ी तो होगा आंदोलन

रुद्रप्रयाग। पेयजल निगम की ओर से तल्लानागपुर फेज 2 लिफ्ट योजना के कार्य को लेकर मदोला के ग्रामीणों ने कार्यदायी संस्था पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा लिफ्ट योजना के लिए जो पाइपलाइन बिछायी जा जा रही है उसे अन्य गांवों को लाभ पहुंचाने के लिए मदोला गांव के जलस्रोत से जोड़ा गया है। जबकि इसी स्रोत से पूरे गांव को पानी की सप्लाई होती है। तल्लानागपुर फेज 2 लिफ्ट योजना में इन दिनों कार्यदायी संस्था द्वारा योजना से जुड़े गावों के लिए पाइप बिछाने के कार्य किया जा रहा है। जिसमें कोठगी गांव भी शामिल है। किंतु यहां संबंधित ठेकेदार द्वारा मदोला के जलस्रोत से ही पाइप जोड़ दिए गए हैं। इसका पता ग्रामीणों को तब लगा जब वे अपने जलस्रोत की सफाई के लिए गए। वहां कार्य कर रहे श्रमिकों से जब गांव वालों ने इस संबंध में पूछा तो वे कोई जवाब नहीं दे पाए। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने तुरन्त पाइप हटाने को कहा। ग्रामीणों का कहना है कि जब इस योजना में पानी नदी से लिफ्ट होना है तो अन्य जलस्रोत से पाइप जोड़ने की क्या आवश्यकता है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि इस लिफ्ट योजना का लाभ उनके गांव को नहीं मिलना है जबकि पाइपलाइन आदि कार्य के लिए उनकी जमीन का उपयोग किया जा रहा है। ग्राम प्रधान रोशनी देवी, ज्येष्ठ प्रमुख सुभाष नेगी, पूर्व प्रधान वीरेंद्र नेगी, चंद्रमोहन नेगी, नीरज नेगी, नागेंद्र नेगी, वासुदेव नेगी, अनूप नेगी, अनिल बंगारी आदि ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि कार्यदायी संस्था द्वारा यदि एक सप्ताह के अंदर यदि पाइपलाइन अन्यत्र शिफ्ट नहीं की गई तो ग्रामीणों द्वारा पेयजल निगम विभाग का घेराव कर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

जनसंवाद में उठे पानी और सड़क के मुद्दे

रुद्रप्रयाग। मुख्य विकास अधिकारी डॉ जीएस खाती की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों की कुल 15 शिकायतें दर्ज की गई। जिसमें पेयजल, सड़क, विद्युत, शिक्षा आदि शिकायतें सामने आई। 8 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया जबकि शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। ग्राम प्रधान पिल्लू लता देवी ने शिकायत दर्ज करते हुए कहा कि गांव में विद्युत खंबों और झूलते विद्युत तारों से हमेशा अप्रिय घटना का अंदेशा बना रहता है जिन्हें अविलंब सही किया जाना जरूरी है। चमेली के ग्रामीणों ने बेडूबगड से रूमसी भौंसाल मोटर मार्ग पर पुश्ता निर्माण कार्य में हुई लापरवाही, रतूड़ा निवासी देवी लाल ने उनके आवास के समीप सोलर लाईट न लगाने तथा वार्ड नंबर 3 निवासी मोहन सिंह नेगी ने कोटेश्वर शंकराचार्य चिकित्सालय मोटर पर लोनिवि द्वारा बनाई गई नाली के क्षतिग्रस्त होने, बांसी गांव धर्मेंद्र सिंह ने उनके बीमार पुत्र के ईलाज के लिए रेड क्रॉस सोसायटी से आर्थिक सहायता देने, डांगी गांव की आईशा और डडोली गांव के राजेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने की मांग की।

श्रावण माह में बीकेटीसी स्वयं करेगी एक घंटा बाबा केदार की पूजा

रुद्रप्रयाग। विश्व शांति एवं कल्याण के लिए बदरी-केदार मंदिर समिति श्रावण माह में एक घंटा स्वयं बाबा केदार की पूजा अर्चना करेगी। विशेष पूजा अर्चना के दौरान सामान्य श्रद्धालुओं को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। बीकेटीसी के वेदपाठी, आचार्य बाबा केदार का जलाभिषेक बदरी-केदार मंदिर समिति श्रावण माह में दोपहर 2 से 3 बजे तक एक घंटा स्वयं भगवान शिव की विशेष पूजा करेगी। इस दौरान बीकेटीसी के वेदपाठी, आचार्य और अन्य कर्मी शामिल होंगे।